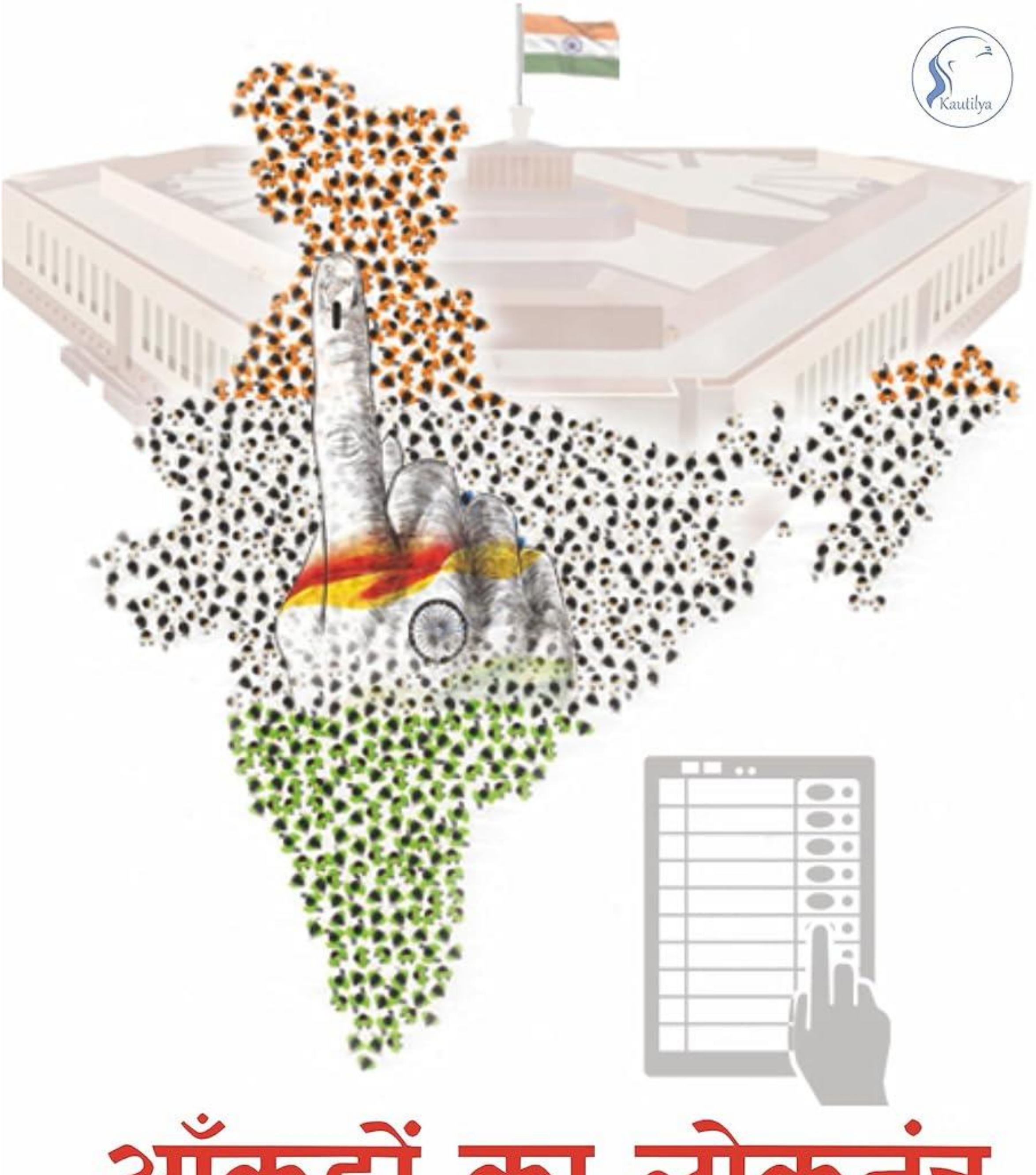

आँकड़ों का लोकतंत्र

लोकसभा चुनाव 1952-2024

राजेन्द्र द्विवेदी

INDIA
States and Union Territories
INDIA FLAG
TAJIKISTAN
AFGHANISTAN
PAKISTAN
CHINA (TIBET)
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR (BURMA)
SRI LANKA
LADAKH
Leh
JAMMU & KASHMIR
Srinagar
Jammu
HIMACHAL PRADESH
Shimla
PUNJAB
Chandigarh
UTTARAKHAND
Dehradun
HARYANA
DELHI
New Delhi
RAJASTHAN
Jaipur
UTTAR PRADESH
Lucknow
BIHAR
Patna
SIKKIM
Gangtok
ARUNACHAL PRADESH
Itanagar
ASSAM
Dispur
MEGHALAYA
Shillong
NAGALAND
Kohima
MANIPUR
Imphal
TRIPURA
Agartala
MIZORAM
Aizawl
WEST BENGAL
Kolkata
JHARKHAND
Ranchi
GUJARAT
Gandhinagar
MADHYA PRADESH
Bhopal
CHHATTISGARH
Raipur
ODISHA
Bhubaneswar
Daman
Silvassa
DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
MAHARASHTRA
Mumbai
TELANGANA
Hyderabad
ANDHRA PRADESH
Amaravati
Yanam (Puducherry)
GOA
Panaji
KARNATAKA
Bengaluru
Chennai
PUDUCHERRY
Mahe (Puducherry)
Karaikal (Puducherry)
TAMIL NADU
KERALA
Thiruvananthapuram
LAKSHADWEEP (INDIA)
Kavaratti
ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS (INDIA)
Port Blair
ARABIAN SEA
BAY OF BENGAL
INDIAN OCEAN
Palk Strait
International Boundary
State/UT Boundary
Country Capital
State/UT Capital
Map not to Scale
Copyright © 2022 www.mapsofindia.com

	प्रधानमंत्री			प्रधानमंत्री	
		जवाहर लाल नेहरु **कार्यकाल**-15 अगस्त 1947 - 27 मई 1964 16 साल, 286 दिन			**वीपी सिंह** **कार्यकाल**-2 दिसंबर 1989 - 10 नवंबर 1990 343 दिन
		गुलजारीलाल नंदा **कार्यकाल**-27 मई 1964 - 9 जून 1964 14 दिन			**चंद्र शेखर** **कार्यकाल**-10 नवंबर 1990 - 21 जून 1991 223 दिन
	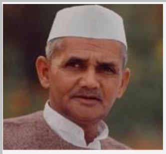	**लाल बहादुर शास्त्री** **कार्यकाल-** 9 जून 1964-11 जनवरी 1966 1 साल, 216 दिन			**पी वी नरसिम्हा राव** **कार्यकाल-** 21 जून 1991 16 मई 1996 1790 दिन
		गुलजारीलाल नंदा **कार्यकाल**- 11 जनवरी 1966 - 24 जनवरी 1966 13 दिन			**अटल बिहारी वाजपेयी** **कार्यकाल**-16 मई 1996 – 1 जून 1996 16 दिन
		इंदिरा गाँधी **कार्यकाल**-24 जनवरी 1966 - 24 मार्च 1977 11 साल, 59 दिन			**एच डी देवेगौड़ा** **कार्यकाल-** 1 जून 1996 21 अप्रैल 1997 324 दिन
		मोरारजी देसाई **कार्यकाल-** 24 मार्च 1977-28 जुलाई 1979 856 दिन		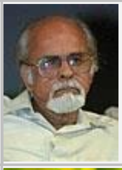	**इंद्र कुमार गुजराल** **कार्यकाल-** 21 अप्रैल 1997-19 मार्च 1998 332 दिन
		चौधरी चारण सिंह **कार्यकाल**-28 जुलाई 1979-14 जनवरी 1980 170 दिन		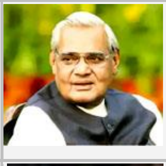	**अटल बिहारी वाजपेयी** **कार्यकाल**-19 मार्च 1998 - 22 मई 2004 6 साल, 64 दिन
		इंदिरा गाँधी **कार्यकाल**-14 जनवरी 1980-31अक्टूबर 1984 4 साल, 291 दिन			मनमोहन सिंह **कार्यकाल**-22 मई 2004 से 26 मई 2014 10 साल, 4 दिन
		राजीव गाँधी **कार्यकाल**-31 अक्टूबर 1984 - 2 दिसंबर 1989 5 साल, 32 दिन			नरेन्द्र मोदी **कार्यकाल**-26 मई 2014 - 23 मई 2019 30 मई 2019 –

प्रस्तावना

लोकतंत्र में आंकड़े सत्ता की सीढ़ी होते हैं। आज़ादी के 75 वर्षों में देश अमृत महोत्सव मना रहा है। 1952 से लेकर 2023 तक 17 लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इन चुनावों में आकड़ों की गणित ने नेताओं को अर्श से फर्श और फर्श से अर्श तक पहुंचाया है। 1952 से 2023 तक 17 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री हुए इनमें जवाहर लाल नेहरू, इन्दिरा गाँधी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी 10 वर्ष से अधिक तथा राजीव गाँधी, पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने 5 वर्ष कार्यकाल पूरा किया जबकि 8 प्रधानमंत्री कार्यकाल पूरा नहीं कर सके इनमें गुलजारी लाल नंदा 2 बार, नेहरू और लालबहादुर शास्त्री के निधन के बाद कार्यवाहक प्रधानमंत्री बन कर रह गए। चौधरी चरण सिंह ऐसे थे जिन्हें प्रधानमंत्री के रूप में लोकसभा सत्र आहूत करने का अवसर नहीं मिला। अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री की 3 बार शपथ ली। पहली बार 1996 में 13 दिन 1998 में 13 महीने और 1999 में शपथ के साथ 2004 तक कार्यकाल पूरा किया। आपातकाल के बाद 1977 में पहली बार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में बनी गैर कांग्रेस सरकार कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी। आपसी अन्तर्विरोध से मोरारजी देसाई की सरकार गिरी। कांग्रेस के सर्मथन से चरण सिंह प्रधानमंत्री बने लेकिन कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। कांग्रेस से अलग होकर वी0 पी0 सिंह ने जनता दल का गठन किया और 1989 में दूसरे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने। वी0 पी0 सिंह मात्र 11 महीनों तक पीएम की कुर्सी पर रह सके। आपसी विरोधों के कारण उन्हें हटना पड़ा। कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने लेकिन उनका कार्यकाल मात्र 4 महीने रहा। पी0 वी0 नरसिम्हा राव ने 1991 से 1996 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल पूरा किया। तीसरी बार गैर कांग्रेसी सरकार एच डी देवगौड़ा के नेतृत्व में कांग्रेस के समर्थन से बनी। देवगौड़ा भी नेताओं के आपसी खींच-तान के शिकार हुए। देवगौड़ा के बाद इंद्र कुमार गुजराल प्रधानमंत्री बने लेकिन कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। अटल विहारी बाजपाई ऐसे पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने कार्यकाल पूरा किया। मनमोहन सिंह कांग्रेस के तीसरे ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने नेहरू और इन्दिरा के बाद 10 वर्ष (2004-2014) कार्यकाल पूरा किया। नरेन्द्र मोदी पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री है जो लगातार पूर्ण बहुमत की सरकार का 10 वर्ष कार्यकाल पूरा किया है। 2024 में तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में चुनाव होगा। इसके पहले अटल विहारी बाजपेयी ऐसे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था।

आज़ादी के बाद से लेकर अब तक हुए सत्ता के फेर बदल में आकड़ों का महत्व लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करता रहा। कभी 2 सीटों पर जीतने वाली भाजपा 2014 में 282 और 2019 में 303 सीटो के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनायी। लगातार 1952 से लेकर 2014 तक (1977 से 1980, 1989 से 1991 और 1996 से 2004) के अंतराल को छोड़कर 5 दशक तक लगातार सत्ता में रहने वाली कांग्रेस 2014 और 2019 में कुल सांसदों की संख्या का 10% सीटें न जीतने के कारण विपक्ष का संवैधानिक दर्जा भी न पा सकी। 2014 में 44 और 2019 में 52 सीटें मिली। कांग्रेस का एक ऐसा भी समय था जब 1984 में इन्दिरा गाँधी के हत्या बाद उपजी सहानुभूति लहर में राजीव गाँधी को 415 के आकड़ों के साथ अप्रत्याशित बहुमत मिला था। लोकतंत्र के लिए आकड़ें कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा निरंतर बदलती सत्ता में दिखाई दे रहा है।

चुनाव परिणाम के आकड़े समुन्द्र है। इसका हर दृष्टिकोण से विश्लेषण करना एक पुस्तक में संभव नहीं है। हम कह सकते हैं कि 1952 से 2023 तक के राज्यों के विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव का विश्लेषण प्रत्येक दृष्टिकोण से करे तो बहुत समय लगेगा और एक लाइबरेरी भर जाएगी। हमने अपने टीम के साथ आकड़ों के समुन्द्र में से चंद बूंद लेकर हर संभव दृष्टिकोण से विश्लेषण करने का प्रयास किया है।

"आकड़ों का लोकतंत्र" पुस्तक में 1952 से लेकर 2019 तक, 17 लोकसभा चुनावों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। आजादी के 75 वर्षों में 15 प्रधानमंत्री किस तरह और कैसे आकड़ों की गणित से सरकार बनायी और सत्ता से बाहर हुए। यह सभी विश्लेषण भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव परिणामों के आकड़ों के आधार पर किया गया है। पुस्तक दो पार्ट में है। पहले पार्ट में देश के सभी 36 केंद्र एवं राज्य शासित प्रदेशों का विश्लेषण है। दूसरे पार्ट में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों का 1952 से लेकर 2019 तक जातिगत एवं चुनाव परिणामों के आकड़ों की विस्तृत एवं तुलनात्मक समीक्षा की गई है।

मेरा मानना है कि राजनीतिक दलों, मीडिया बन्धु, चुनाव में रूचि रखने वाले लोगों तथा चुनाव पर शोध करने वाले छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पूर्व की भांति आपका सहयोग और प्यार मिलता रहेगा।

राजेन्द्र द्विवेदी

INDEX- PART I

1 Overview of General Elections 1952 – 2019
2 Winning Party Performance From 1952 - 2019
3 Pc Election 1952–2019: Poll Dates and Poll Percentage
4 State Wise Pc/Ac/Rajya Sabha Seats
5 Modi-Shah Era 2014 - 2019 Part 1 & Part 2
6 2014 Lok Sabha election result analysis
7 2019 Lok Sabha election result analysis
8 NDA and UPA Alliance in 2014 and 2019
9 Bhartiya Janata Party- Election Results 2014 vs 2019
10 Congress-Election Results 2014 vs 2019
11 Third Front- Election Results 2014 vs 2019
12 2014 VS 2019
13 United Progressive Alliance 2014 Vs 2019
14 Regional Party 2014 vs 2019- Third Front (Non-BJP and Non-Congress)
15 State Wise Polling % 2014 Vs 2019
16 State Parties Result 2019
17 BJP Vs Congress in All States In 2014
18 BJP Vs Congress in All States In 2019
19 State Wise Voters Turn Out 2019
20 Result by State 2014
21 Result by State 2019
22 Manmohan Singh Term 2004-2014
23 Manmohan Singh Second Term
24 Manmohan Singh Government's comparative election results of 2004 vs 2009
25 Changes in the Country's Politics After 1989
26 Seats of BJP In All States From 1989 To 2019
27 Seats of Congress in All States From 1989 To 2019
28 Seats of All Parties in All States From 1989 To 2019
29 From Jawaharlal Nehru to Atal Bihari Vajpayee- (1952 -1999) Election Results
30 First General Election - 1951-52
31 Second General Election- 1957
32 Third General Election- 1962
33 Fourth General Election 1967
34 Fifth General Election 1971
35 Sixth General Election 1977
36 Seventh General Election 1980
37 Eighth General Election 1984
38 Ninth General Election 1989
39 Tenth General Election 1991
40 Eleventh General Election 1996
41 Twelfth General Election 1998

42 Thirteenth General Election 1999
43 Winning Seat's Margin of BJP and Congress
44 Analysis of SC and ST seats
43 Journey from Jana Sangh to BJP
44 Congress's Election Journey- from Nehru to Rahul
45 Bam Dal (from 1952-2019)
46 Regional parties
47 Whose 2024
48 Election results of states and union territories from 1952 to 2019
1- Andhra Pradesh
2- Arunachal Pradesh
3- Assam
4- Bihar
5- Chhattisgarh
6- Goa
7- Gujarat
8- Haryana
9- Himachal Pradesh
10- Jharkhand
11- Karnataka
12- Kerala
13- Madhya Pradesh
14- Maharashtra
15- Manipur
16- Meghalaya
17- Mizoram
18- Nagaland
19- Odisha
20- Punjab
21- Rajasthan
22- Sikkim
23- Tamil Nadu
24- Telangana
25- Tripura
26- Uttar Pradesh
27- Uttarakhand
28- West Bengal
29- Delhi
30- Andaman and Nicobar Islands
31- Chandigarh
32- Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu
33- Jammu and Kashmir
34- Ladakh

35- Lakshadweep
36- Puducherry

INDEX- PART II

1 Uttar Pradesh 1952-2019
2 9 Prime Minister of Uttar Pradesh
3 Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2019
4 Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2014
5 Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2009
6 Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2004
7 Constituency Wise Results 2019
8 Vote Percentage of Political Parties in 2019 Lok Sabha Election
9 Lead Margin PC Wise 2019
10 Lead Margin 2019 % wise - 0.01 to above 30.00
11 BJP Winner and SP Runner of Parliament Constituency 2019
12 BJP Winner and BSP Runner of Parliament Constituency 2019
13 BJP Winner and INC Runner of Parliament Constituency 2019
14 BJP Winner and RLD Runner of Parliament Constituency 2019
15 BSP Winner and BJP Runner of Parliament Constituency 2019
16 INC Winner and BJP Runner of Parliament Constituency 2019
17 SP Winner and BJP Runner of Parliament Constituency 2019
18 AD Winner and SP Runner of Parliament Constituency 2019
19 Winner and Runner of Parliament Constituency of 2019
20 BJP Got Seats 2019
21 Seats won by BSP, SP and INC in Lok Sabha 2019
22 2014 Election Analysis
23 Winner and Runner of Parliament Constituency of 2014
24 BJP got Seats in 2014
25 BJP Winner and SP Runner of Parliament Constituency 2014
26 BJP Winner and BSP Runner of Parliament Constituency 2014
27 BJP Winner Congress/RLD/AAP Runner of Parliament Constituency 2014
28 Lead Margin PC Wise 2014
29 Rise and Fall of Political Party after 1989
30 Performance of Political Parties in Lok Sabha Elections- 1989-2019
31 Assembly Election Results in Uttar Pradesh 1989 - 2022
32 Uttar Pradesh- Loksabha General Election 1952- 2019
33 Journey from Jana Sangh to BJP in Uttar Pradesh
34 Congress in Uttar Pradesh- from Nehru to Rahul
35 From the Establishment of BSP to Mayawati from Kanshiram, Rise and Fall of Party
36 From the Establishment of SP to Akhilesh from Mulayam, Rise and Fall of Party
37 Communist Party
38 Alliance of Small Parties with National Party is Necessary for Victory
39 Lok Sabha General Election 1984 To 2019: Polling Percentage

Lok Sabha seats in Uttar Pradesh and Its assembly constituencies
From 1952 to 2019 result

1. Saharanpur
2. Kairana
3. Muzaffarnagar
4. Bijnor
5. Nagina-SC
6. Moradabad
7. Rampur
8. Sambhal
9. Amroha
10. Meerut
11. Bagpat
12. Ghaziabad
13. Gautam Buddha Nagar
14. Bulandshahr-SC
15. Aligarh
16. Hathras-SC
17. Mathura
18. Agra-SC
19. Fatehpur Sikri
20. Firozabad
21. Mainpuri
22. Etah
23. Badaun
24. Aonla
25. Bareilly
26. Pilibhit
27. Shahjahanpur-SC
28. Kheri
29. Dhaurahra
30. Sitapur
31. Hardoi-SC
32. Misrikh-SC
33. Unnao
34. Mohanlalganj-SC
35. Lucknow
36. Rae Bareli
37. Amethi
38. Sultanpur
39. Pratapgarh
40. Farrukhabad
41. Etawah-SC
42. Kannauj
43. Kanpur
44. Akbarpur
45. Jalaun-SC

46. Jhansi
47. Hamirpur
48. Banda
49. Fatehpur
50. Kaushambi-SC
51. Phulpur
52. Prayagraj
53. Barabanki-SC
54. Ayodhya
55. Ambedkar Nagar
56. Bahraich-SC
57. Kaiserganj
58. Shrawasti
59. Gonda
60. Domariyaganj
61. Basti
62. Sant Kabir Nagar
63. Maharajganj
64. Gorakhpur
65. Kushinagar
66. Deoria
67. Bansgaon-SC
68. Lalganj-SC
69. Azamgarh
70. Ghosi
71. Salempur
72. Ballia
73. Jaunpur
74. Machlishahar-SC
75. Ghazipur
76. Chandauli
77. Varanasi
78. Bhadohi
79. Mirzapur
80. Robertsganj-SC

Winning Party Performance from 1952 to 2019

देश में राजनीतिक एवं क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटता बढ़ता रहा है। जब राष्ट्रीय दल बहुमत की सरकार अकेले बनाते हैं तो क्षेत्रीय दल कमजोर होते हैं। 1952 से लेकर 1984 तक (1977 को छोड़कर) कांग्रेस की बहुमत की सरकार बनी। क्षेत्रीय दल का प्रभाव कम रहा। 1989 से 2009 तक राजनीतिक अस्थिरता में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिला तो क्षत्रपों का दबदबा बना रहा।

Sr	Year	T.PC	INC	BJP/BJS	CPM	CPI	SP	BSP	TMC	NCP	BRS	DMK	AIDMK	BJD	RJD	JDU
1	2019	543	52	303	3	2	5	10	22	5	-	23	-	12	-	16
	Others - YRSCP 22 SHS 18 TRS 9 LJP 6 TDP 3 ML 3 JKNC 3 SAD 2 AIMIM 2 AD 2 IND 4 Oth 15															
2	2014	543	44	282	-	9	5	0	34	6	11	-	37	20	4	2
	Others - SHS 18 TD 16 YRSCP 9 LJP 6 AAP 4 SAD 4 AIUDF 3 RLSP 3 JKPDP 3 JDS 2 INLD 2 JMM 2 ML 2 AD 2 IND 3															
3	2009	543	206	116	16	4	23	21	19	9	2	18	9	14	4	20
	Others - SHS 11 TD 6 RLD 5 SAD 4 JDS 3 JKNC 3 JMM 2 RSP 2 AIFB 2 ML 2 IND 9 Oth 13															
4	2004	543	145	138	43	10	36	19	2	9	5	16	-	11	24	8
	Others - SHS 12 SAD 8 PMK 6 TD 5 JMM 5 LJP 4 MDMK 4 JD(S) 3 RLD 3 RSP 3 AIFB 3 AGP 2 JKNC 2 IND 5 Oth 12															
5	1999	543	114	182	33	4	26	14	8	8	-	12	10	10	7	21
	Others - TD 29 SHS 15 PMK 5 INLD 5 MDMK 4 JKNC 4 RSP 3 SAD 2 RLD 2 AIFB 2 ML 2 Oth 15 IND 6															
6	1998	543	141	182	32	9	20	5	7	-	-	6	18	9	17	-
	Others - TD 12 SM 12 SAD 8 JD 6 SHS 6 RSP 5 HLD 4 PMK 4 RPI 4 TMC(M) 3 LJP 3 MDMK 3 JKNC 3 AIFB 2 ML 2 AC															
7	1996	543	140	161	32	12	17	11	-	-	-	17	-	-	-	-
	Others - JD 46 TMC(M) 20 TD 16 SHS 15 IND 9 SM 8 SAD 8 AGP 5 RSP 5 Tiwari Cong 4 AIFB 3 HVP 3 ML 2 Oth 9															
8	1991	543	244	120	35	14		2	-	-	-	-	11	-	-	-
	Others - JD 59 TD 13 JMM 6 JP 5 SHS 4 RSP 4 AIFB 3 ML 2 Ind & Oth 11															
9	1989	543	197	85	33	12		3	-	-	-	-	11	-	-	-
	Others - JD 143 IND 12 SAD 6 RSP 4 AIFB 3 JMM 3 JKNC 3 TDP 2 ML 2 Oth 10															
10	1984	542	415	2	22	6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Others - ICS 4 JNP 10 LKD 3 IND 8 Oth 72															
11	1980	542	353	-	37	10	-	-	-	-	-	16	-	-	-	-
	Others - JNP 31 JNPS 41 INCU 31 Oth 31 IND 9															
12	1977	542	154	BLD 295	22	7	-	-	-	-	-	02	-	-	-	-
	Others - NCO 3 Oth 61															
13	1971	518	352	22	25	23	-	-	-	-	-	23	-	-	-	-
	Others - NCO 16 PSP 2 SSP 3 SWA 8 IND 14 Oth 53															
14	1967	520	283	35	19	23	-	-	-	-	-	25	-	-	-	-
	Others - PPS 13 SSP 23 SWA 44 IND 35 Oth 45															
15	1962	494	361	14	-	29	-	-	-	-	-	7	-	-	-	-
	Others - PSP 12, SOS 6, SWA 18, IND 20, Oth 34															
16	1957	403	371	4	-	27	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Others - PSP 19, Oth 73, IND 61															
17	1952	401	364	3	-	16	-	-	--	-	-	-	-	-	-	-
	Others - HMS 4, KLP 1, KMPP 9, RRP 3, RSP 3, SP 12, Oth 74															

State Wise Pc/Ac/Rajya Sabha Seats

लोकतंत्र में आकड़ों का ही महत्व होता है। जिस दल के पक्ष में आकड़े भारी होते हैं। सत्ता उसी को मिलती है। यही आकड़ों का जादू देश के राज्यों पर भी लागू होता है। उत्तर प्रदेश का देश में राजनीतिक वर्चस्व के पीछे भी लोकसभा सीटों की संख्या है। इसी आधार पर उत्तर प्रदेश ने 75 वर्षों में 55 वर्ष से अधिक केंद्र में राज किया। जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, इन्दिरा गांधी, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेयी, नरेन्द्र मोदी सहित 9 प्रधानमंत्री दिये। सांसदों के सीट की संख्या को अगर हम उत्तर प्रदेश से तुलनात्मक अध्ययन करें तो 21 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, चंडीगढ़, लद्दाख, सिक्किम, पुडुचेरी, नागालैंड, मिजोरम में जहां 1-1 सीट तथा अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, दादरा नगर हवेली-दमन दीव में जहां 2-2 सीटें है इसी तरह हिमाचल प्रदेश में 4, जम्मू कश्मीर में 5, उत्तराखंड में 5, दिल्ली में 7, हरियाणा में 10, पंजाब में 13, असम में 14 इन सभी राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सीटों की संख्या को जोड़ें तो उत्तर प्रदेश के 80 सांसदों के सीटों के बराबर होती है।

S.N	HOUSE/STATE	PC				AC	RS
		ST	SC	Gen.	Total Seat		
1	Andhra Pradesh	1	4	20	25	175	11
2	Arunachal Pradesh	0	0	2	2	60	1
3	Assam	2	1	11	14	126	7
4	Bihar	0	6	34	40	243	16
5	Chhattisgarh	4	1	6	11	90	5
6	Goa	0	0	2	2	40	1
7	Gujarat	4	2	20	26	182	11
8	Haryana	0	2	8	10	90	5
9	Himachal Pradesh	0	1	3	4	68	3
10	Jammu & Kashmir	0	0	5	5	87	4
11	Jharkhand	5	1	8	14	81	6
12	Karnataka	2	5	21	28	224	12
13	Kerala	0	2	18	20	140	9
14	Madhya Pradesh	6	4	19	29	230	11
15	Maharashtra	4	5	39	48	288	19
16	Manipur	1	0	1	2	60	1
17	Meghalaya	2	0	0	2	60	1
18	Mizoram	1	0	0	1	40	1
19	Nagaland	0	0	1	1	60	1
20	Delhi	0	1	6	7	70	3
21	Odisha	5	3	13	21	147	10
22	Puducherry	0	0	1	1	30	1
23	Punjab	0	4	9	13	117	7
24	Rajasthan	3	4	18	25	200	10
25	Sikkim	0	0	1	1	32	1
26	Tamil Nadu	0	7	32	39	234	18
27	Telangana	2	3	12	17	119	7
28	Tripura	1	0	1	2	60	1
29	Uttar Pradesh	0	17	63	80	403	31
30	Uttarakhand	0	1	4	5	70	3
31	West Bengal	2	10	30	42	294	16
32	Ladakh	0	0	1	1	-	-
33	Chandigarh	0	0	1	1	-	-
34	Andman & Nikobar	0	0	1	1	-	-
35	Lakshdeep	1	0	0	1	-	-
36	Dadra Nagar Haveli-Daman Diu	1	-	1	2	-	-
		47	**84**	**412**	**543**	**4120**	**233**
	Nominated Members in RajyaSabha						**12**
	Nominated Members in LokSabha				**2**		
					545		**245**

MODI-SHAH ERA 2014 - 2019 PART 1 & PART 2

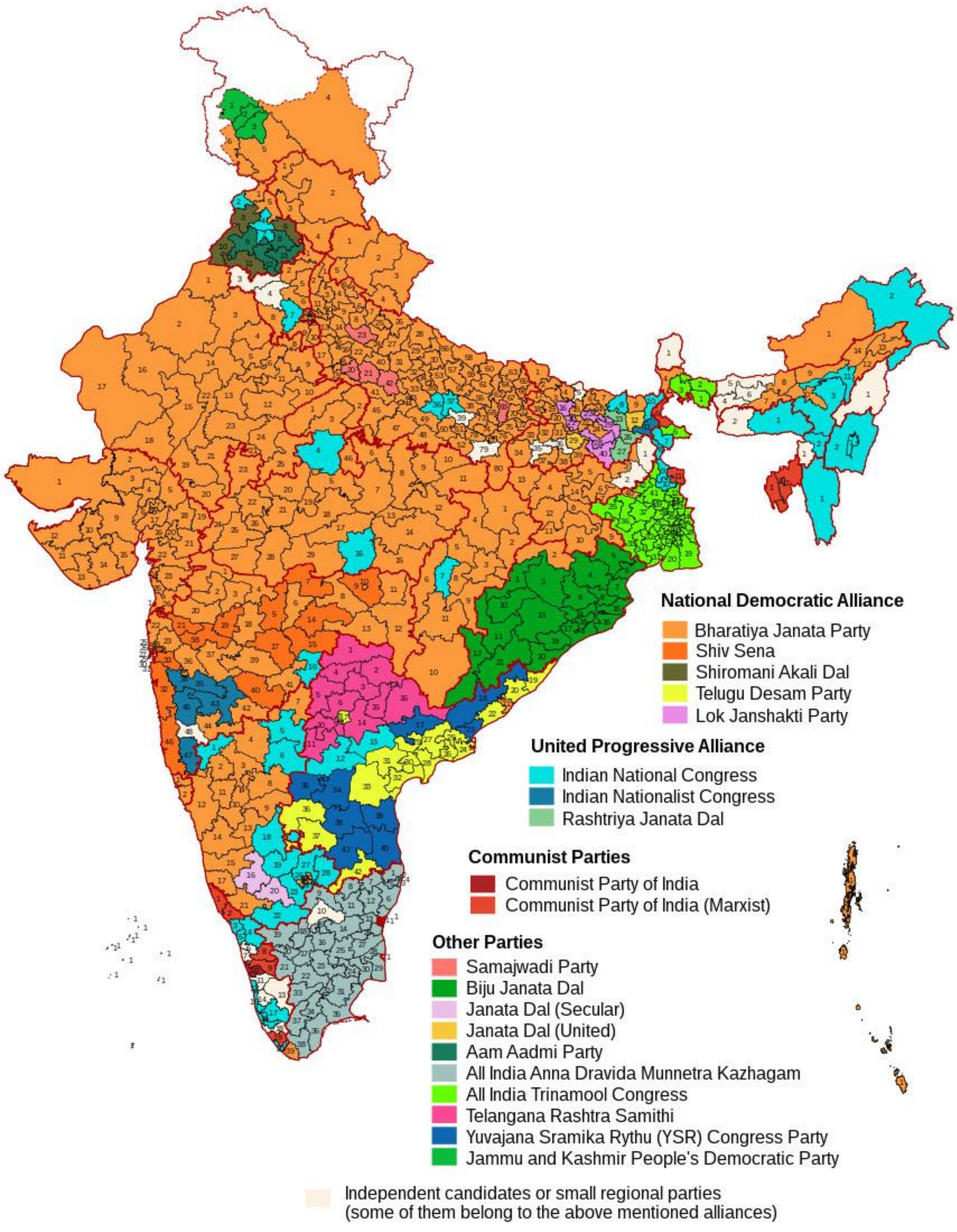

आज़ादी मिलने के बाद से हिंदुत्व विचारधारा पर गठित जनसंघ तमाम उतार-चढ़ाओं के बाद 1971 तक राजनीतिक सफर तय किया। चुनाव में भागीदारी की लेकिन सत्ता तक पहुंचने का अवसर नहीं मिला। प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी द्वारा आपातकाल लागू करने के बाद 1977 में कांग्रेस के खिलाफ उपजे जनाक्रोश को देखते हुए जनसंघ ने जनता दल में विलय करके सत्ता में भागीदारी की। यह भागीदारी ज्यादा दिन नहीं चली। पहली बार बनी गैर कांग्रेसी सरकार का पतन हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ। भाजपा के स्थापना के बाद 1984 में इन्दिरा गाँधी के हत्या से काँग्रेस के पक्ष में उपजी सहानुभूति लहर के कारण चुनाव में भाजपा 2 सीटों तक सिमट गयी। अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता चुनाव हार गए। 1987 में कांग्रेस में बगावत करके वी0 पी0 सिंह ने अन्य दलों के साथ मिलकर जनता दल का गठन किया। 1989 में भाजपा ने जनता दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। भाजपा को 85 सीटें मिली। समर्थन देकर वी0 पी0 सिंह के नेतृत्व में सरकार बनवाई। वी0 पी0 सिंह से मतभेद के कारण उप-प्रधानमंत्री एवं पिछड़ों के बड़े नेता देवीलाल ने नाराज होकर पिछड़ों की महारैली 9 अगस्त 1990 को दिल्ली में आयोजन करने की घोषणा की। पिछड़ों की रैली को कमजोर करने के लिए प्रधानमंत्री वी0 पी0 सिंह ने दो दिन पहले, वर्षों से धूल चाट रही मंडल कमीशन की आधी-अधूरी रिपोर्ट को लागू कर दिया। जिसके कारण पूरे देश में अगड़ों-पिछड़ों की लड़ाई छिड़ी। भाजपा ने मण्डल विवाद से अगड़ों-पिछड़ों की लड़ाई को देखते हुए हिंदुत्व एजेंडे का कार्ड खेला। वी0 पी0 सिंह सरकार से समर्थन वापस लिया। राम जन्म भूमि आन्दोलन को धार दी। जिसका परिणाम रहा कि भाजपा का ग्राफ हिंदुत्व एजेण्डे पर निरन्तर बढ़ता गया। उत्तर प्रदेश सहित हिन्दी भाषी राज्यों में भाजपा की स्थिति मजबूत हुई और उसके सांसदों की संख्या जो 1984 में 2 थी 1989 में 85, 1991 में 120, 1996 में 161, 1998 में 182, 1999 में 182 तक पहुंची। 1996 में बड़ी पार्टी बनने का गौरव प्राप्त हुआ। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 13 दिन सरकार बनी लेकिन बहुमत सिद्ध न होने के कारण इस्तीफा देना पड़ा। 1998 लोकसभा चुनाव में दूसरी बार सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सरकार बनी लेकिन सदन में 1 वोट से गिर गई। अटल बिहारी वाजपेयी कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहे। 1999 में फिर 182 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी होने का लाभ भाजपा को मिला और अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने और 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में कई आदर्श भी बनाये। एक वोट से सरकार गिर गयी लेकिन सत्ता को बचाने के लिए सांसदों का खरीद-फरोख्त नहीं किया गया। 1999 से 2004 तक दो दर्जन से अधिक छोटे-छोटे दलों को जोड़कर गठबंधन की सरकार चलाने का एक आदर्श प्रस्तुत किया। 2004 में सत्ता से हटने के बाद 2014 तक भाजपा, आडवाणी के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेयी के बनाये हुए मुकाम को नहीं पा सकी। मनमोहन सरकार के 10 वर्षों के बाद भाजपा का नेतृत्व गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया गया। 2013 में मोदी को प्रत्याशी घोषित करके चुनाव लड़ा जिसमें अप्रत्याशित परिणाम मिले। मोदी के नेतृत्व में 282 का आकड़ा भाजपा को मिला। नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में कमान सम्भाली जो अभी तक बरकरार है। चुनाव में मोदी का चेहरा और अमित शाह का

चुनाव प्रबंधन रहा। 5 वर्ष कार्यकाल पूरा करने के बाद 2019 में मोदी का नेतृत्व और अमित शाह का चुनाव प्रबंधन ने 2014 से भी अधिक सीटें दिलाई। 282 का आकड़ा बढ़ कर 303 हो गया। मत प्रतिशत भी 31.30 से बढ़कर 37.30 % हो गया।

मोदी शाह एरा पार्ट टू पार्ट वन से भी शानदार रहा। 5 साल बहुमत की सरकार चलाने के बाद 17वे लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा और अमित शाह का मैनेजमेंट विपक्ष पर भारी रहा। 2014 में 282 सीटें और 31 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा 303 सीटें और 37.30% मत पाने में सफल रही। 10 राज्यों के 225 सीटों में से 200 सीटें भाजपा को मिली। उत्तर प्रदेश जहाँ पर सपा और बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा। दलित-पिछड़ों के जातीय गठबंधन पर भी मोदी का चेहरा और शाह का मैनेजमेंट भारी रहा। भाजपा को 80 में 62 सीटें मिली। सपा, बसपा का दलित पिछड़ा महागठबंधन मात्र 15 सीटों पर सिमट कर रहा गया। गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश ऐसे प्रदेश है जहाँ कि सभी सीटों पर भाजपा चुनाव जीती। गुजरात में 26, हरियाणा में 10, दिल्ली में 7, उत्तराखडं 5 और हिमाचल में 4 सीटें है। मध्य प्रदेश में 29 में से 28 सीटें, कर्नाटक में 28 से 25 और राजस्थान में 25 में 24 सीटें जीतने में भाजपा सफल रही। इसी तरह 6 राज्यों असम, बिहार, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड की 164 सीटों में 81 सीटें भाजपा जीती। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरला, उड़ीसा, पंजाब की 96 सीटों में भाजपा का प्रदर्शन कमजोर रहा। उसे 96 में मात्र 16 सीटें मिली।

मोदी का चेहरा शाह के प्रबंधन ने 6 दशक से अधिक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस को हाशिये पर पंहुचा दिया। 2014 में कांग्रेस को मात्र 44 सीटें और 19.50 % मत एवं 2019 में 52 सीटें तथा 19. 70% मत मिले। कांग्रेस के लिए 2014 एवं 2019 दोनों चुनावों में मिली शर्मनाक पराजय से विपक्ष का दर्जा पाने से भी वंचित रही। लोकसभा में विपक्ष के नेता के लिए 10% सीटें जीतना अनिवार्य है। जबकि कांग्रेस कुल 543 सीटें में 2014 में 44 तथा 2019 में 52 सीटें जीती जो 10% से कम है। उत्तर प्रदेश जहाँ पर 80 लोकसभा सीटें हैं। 2014 में अमेठी एवं रायबरेली सीटें जीती थी जबकि 2019 में गाँधी परिवार की सीट अमेठी से राहुल गाँधी चुनाव हार गए।

कांग्रेस का 2019 में प्रदर्शन 2014 जैसा ही रहा। राहुल गाँधी के नेतृत्व में लड़े गए इन 17वे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मात्र 52 सीटें मिली। इनमें सर्वाधिक केरल, पंजाब और तमिलनाडु इन तीन राज्यों में कुल 52 सीटों में 31 सीटें मिली है। उत्तर प्रदेश में अमेठी की पारिवारिक सीट राहुल गाँधी हार गए। मात्र 1 रायबरेली सीट पर सोनिया गाँधी चुनाव जीती। 18 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश की 121 सीटों में कांग्रेस को 1 भी सीट नहीं मिली है। चुनाव में अच्छा प्रदर्शन न होने के कारण राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दिया। सोनिया गाँधी को फिर कार्यवाहक के रूप में अध्यक्ष बनाया गया। उत्तर प्रदेश में प्रियंका को ज़िम्मेदारी दी गई थी। प्रियंका के नेतृत्व में 2014 की तुलना में 2019 और खराब रहा। प्रियंका की देख रेख में वर्षों से जीतने वाली अमेठी सीट उत्तर प्रदेश के प्रभारी और संगठन की राष्ट्रीय महासचिव होने के बाद भी नहीं बचा पायी।

1984 के बाद 2014 में पहली बार गैर कांग्रेसी भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। 1989 के बाद से 2009 तक क्षेत्रीय दलों का दबदबा रहा जिसके कारण वी० पी० सिंह, चंद्रशेखर, पी वी नरसिम्हा राव, एच. डी. देवेगौड़ा , इन्द्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह, 7 प्रधानमंत्रियों ने अल्पमत सरकार चलाई। इस दौरान पूरी तरह देश में राजनीतिक अस्थिरता रही। 1989, 1996, 1998 तीन मध्यावधि चुनाव हुए। 1 वोट से अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिरने का भी रिकॉर्ड है। 3 दशक के राजनीतिक अस्थिरता को भी मोदी शाह एरा ने दूर किया।

1989 से देश के सियासत में क्षेत्रीय दलों का दबदबा शुरू हुआ था जो कमजोर हो गया। 2014 में क्षत्रपों को 176 सीटें मिली थी जो 2019 में घट कर 98 रह गयी। इनमें टीएमसी और वाईआरएस कांग्रेस 22-22, बीजेडी 12, बीएसपी 10, एसपी 5, जेकेएनसी 3, सीपीआई 3, एआईएमआईएम 1, आप 1, एनपीएफ़ 1 सीटें जीती। आप पार्टी जो 2014 में पंजाब में चार सीटें जीती थी वह 2019 में मात्र एक सीट जीती।

मनमोहन कार्यकाल 2004-2014

सोनिया गाँधी

(अध्यक्ष-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस)

-कार्यकाल-

14 मार्च 1998 - 16 दिसंबर 2017

राहुल गांधी

16 दिसंबर 2017 - 10 अगस्त 2019

सोनिया गाँधी (कार्यकारी अध्यक्ष)

10 अगस्त 2019 - 26 अक्ट्बर 2022

मनमोहन सिंह

(प्रधानमंत्री)

-कार्यकाल-

22 मई 2004 - 26 मई 2014

मनमोहन पार्ट- 1

1991 में राजीव गाँधी की हत्या के बाद 1998 तक गैर नेहरू गाँधी परिवार के हाथों में कांग्रेस पार्टी की बागडोर रही। 1991 में राजीव के हत्या के बाद पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव को अध्यक्ष बनाया गया। उनके नेतृत्व में हुए चुनाव में कांग्रेस को 232 सीटें एवं 36. 26% वोट मिले। पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव 1991 से 1996 तक प्रधानमंत्री एवं अध्यक्ष दोनों पदों पर रहे। 1996 में पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव के नेतृत्व में हुए चुनाव में कांग्रेस को 140 सीटें और 28.8 प्रतिशत मत मिले। कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद, संगठन में भी फेरबदल हुआ और सीताराम केसरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। उनके नेतृत्व में 1998 का लोकसभा चुनाव हुआ जिसमें सीटें 141 और मत प्रतिशत घट कर 25.42 % रह गया। चुनाव में लगातार दूसरी बार भी हार से कांग्रेसियों ने गांधी परिवार के उत्तराधिकारी स्वर्गीय राजीव गाँधी की पत्नी श्रीमती सोनिया गाँधी को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। सोनिया गाँधी के नेतृत्व में 1999 में हुए चुनाव में 1998 में मिली 141 सीटें घटकर 114 रह गयी लेकिन मत प्रतिशत 25.82 से बढ़कर 28.30 हो गया। सोनिया गाँधी

के नेतृत्व में पहला चुनाव हुआ उस समय भाजपा का नेतृत्व और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। अटल बिहारी वाजपेयी 1996 में 13 दिन, 1998 में 13 महीने और 1999 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। 1998 में 1 वोट से अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिरी थी उसका भी सहानुभूति लहर भाजपा के साथ रहा। 1999 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। अटल बिहारी वाजपेयी ने समय से 6 महीने पहले चुनाव कराया। 2004 में सोनिया गाँधी के नेतृत्व में दूसरा लोकसभा चुनाव लड़ा गया। जिसमें कांग्रेस 145 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा की सीटें 1999 में 182 थी वह घटकर 138 रह गयी। सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण कांग्रेस ने सरकार बनाई। मनमोहन सिंह 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री बने।

14वीं लोकसभा चुनाव 2004 में क्षेत्रीय दलों का दबदबा रहा। 159 सीटों पर क्षेत्रीय दल जीते इसमें सबसे अधिक मुलायम सिंह की समाजवादी पार्टी को 36 सीटें तथा लालू की आरजेडी को 24 सीटें मिली थी। समय से पूर्व कराये गए 14वीं लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा की सीटें 182 से घट कर 138 रह गयी और 1 प्रतिशत मत भी कम हुआ। 1999 में भाजपा को 182 सीटें और 23.75% मत और 2004 में 138 सीटें और 22.44 % मत मिले। सोनिया गाँधी के नेतृत्व में दूसरी बार हुए चुनाव में कांग्रेस 145 सीट पाकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी लेकिन क्षेत्रीय दलों के प्रभाव बढ़ने के कारण 1998 की तुलना में कांग्रेस का 2% मत कम हो गया। इस चुनाव में बीएसपी को 19, सीपीआई को 10, सीपीएम को 43, एनसीपी को 9, गैर पंजीकृत दलों को 15 तथा निर्दलीय 5 सीट पर चुनाव जीते। सबसे बड़े दल के रूप में होने के कारण कांग्रेस गैर भाजपा दलों के समर्थन से मिलकर मनमोहन सिंह के नेतृत्व सरकार बनाई। अल्पमत होने के कारण प्रधानमंत्री मनमोहन की कैबिनेट में क्षेत्रीय दलों का दबदबा रहा। मनमोहन सिंह पी.वी. नरसिंह राव सरकार में 1991 से लेकर 1996 तक वित्त मंत्री रहे। इस चुनाव में 67.14 करोड़ मतदाता थे 58.7% लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

Winning Party Performance for 2004 Loksabha Election

#	Party	Contestants	Won	Second	Third	Votes	Votes%
1	Indian National Congress	417	145	171	46	10,34,08,949	26.5%
2	Bharatiya Janta Party	364	138	133	71	8,63,71,561	22.2%
3	Communist Party Of India (MARXIST)	69	43	9	5	2,20,70,614	5.7%
4	Samajwadi Party	237	36	22	33	1,68,24,072	4.3%
5	Rashtriya Janata Dal	42	24	3	1	93,84,147	2.4%
6	Bahujan Samaj Party	435	19	31	132	2,07,65,229	5.3%
7	Dravida Munetra Kazhagam	16	16	0	0	70,64,393	1.8%
8	Shiv Sena	56	12	9	1	70,56,255	1.8%
9	Biju Janata Dal	12	11	1	0	50,82,849	1.3%
10	Communist Party Of India	34	10	5	7	54,84,111	1.4%
11	Nationalist Congress Party	32	9	12	2	70,23,175	1.8%
12	Janata Dal (United)	73	8	17	30	91,44,963	2.3%
13	Shiromani Akali Dal	10	8	2	0	35,06,681	0.9%
14	Pattali Makkal Katchi	6	6	0	0	21,69,020	0.6%
15	Independent	2385	5	7	102	1,65,49,900	4.2%
16	Telugu Desam	33	5	28	0	1,18,44,811	3%
17	Telangana Rashtra Samithi	22	5	0	5	24,41,405	0.6%
18	Jharkhand Mukti Morcha	9	5	1	0	18,46,843	0.5%
19	Lok Jan Shakti Party	40	4	3	3	27,71,427	0.7%
20	Marumalarchi Dravida Munnetra Kazhagam	4	4	0	0	16,79,870	0.4%
21	Janata Dal (Secular)	43	3	7	21	57,32,296	1.5%
22	Rashtriya Lok Dal	32	3	3	1	24,63,607	0.6%
23	Revolutionary Socialist Party	6	3	1	1	16,89,794	0.4%
24	All India Forward Bloc	10	3	0	0	13,65,055	0.4%
25	All India Trinamool Congress	33	2	24	6	80,71,867	2.1%

#	Party	Contestants	Won	Second	Third	Votes	Votes%
26	Asom Gana Parisad	12	2	4	4	20,69,600	0.5%
27	Jammu & Kashmir National Conference	6	2	2	2	4,93,067	0.1%
28	Muslim League Kerala State Committee	10	1	1	0	7,70,098	0.2%
29	Nagaland Peoples Front	3	1	0	0	7,15,366	0.2%
30	All India Majlis-E-Ittehadul Muslimoon	2	1	0	1	4,17,248	0.1%
31	Republican Party Of India (A)	7	1	0	0	3,67,510	0.1%
32	National Loktantrik Party	18	1	0	0	3,67,049	0.1%
33	Kerala Congress	1	1	0	0	3,53,905	0.1%
34	Samajwadi Janata Party (RASHTRIYA)	10	1	0	0	3,37,386	0.1%
35	Jammu & Kashmir Peoples Democratic Party	3	1	2	0	2,67,457	0.1%
36	Indian Federal Democratic Party	1	1	0	0	2,56,411	0.1%
37	Mizo National Front	1	1	0	0	1,82,864	0%
38	Bharatiya Navshakti Party	4	1	0	3	1,71,080	0%
39	Sikkim Democratic Front	1	1	0	0	1,53,409	0%

मनमोहन पार्ट- 2

परिसीमन के बाद 2009 में पहली बार हुए लोकसभा चुनाव 2009 में हुआ

काँग्रेस पार्टी में आज़ादी के बाद मनमोहन सिंह गैर गांधी परिवार के पहले प्रधानमंत्री थे जिनके नेतृत्व में काँग्रेस ने दूसरी बार सरकार बनाई। मनमोहन सिंह 2004 से लेकर 2014 तक 10 वर्षो तक प्रधानमंत्री रहे। काँग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी के नेतृत्व में यह तीसरा चुनाव था जिसमें पार्टी को 28.55% मत और 206 सीटें मिली। श्रीमती गांधी ने मनमोहन सिंह पर ही भरोसा जताते हुये उन्हें प्रधानमंत्री बनने का अवसर दिया। मनमोहन सिंह दूसरा कार्यकाल क्षेत्रीय दलों के दवाब के कारण तमाम भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा रहा। भाजपा में अटल बिहारी वाजपेयी के अस्वस्थ्य होने के कारण 2009 का लोकसभा चुनाव, लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में लड़ा गया। हिन्दुत्व के सबसे बड़े चेहरे के रूप में जाने-जाने वाले आडवाणी के नेतृत्व में भाजपा 2009 में 22 सीटें तथा 4 % मत कम मिले। इस चुनाव में भाजपा 116 सीटों 18.80% मतों पर सिमट गई। उत्तर प्रदेश में जहां भाजपा को राम मंदिर आंदोलन से हिन्दुत्व लहर में 1991 में 51, 1996 में 52, 1998 में 57, 1999 में 29 सीटें मिलती थी वो 2004 में घट कर 10 और 2009 में भी 10 सीटें रह गई। छोटे एवं क्षेत्रीय दलों का प्रभाव कायम रहा। क्षेत्रीय दलों को 146 सीटें मिली, जिनमें सपा को 23, जनता दल 20, टीमसी 19, डीएमके 18, सीपीआई 16, बीजेडी 14 एवं शिव सेना की 11 सीटें शामिल है। बसपा को राष्ट्रीय दलों में 21 सीटें मिली थी। 2009 से 2014 के बीच 5 साल का 15वीं लोकसभा का कार्यकाल मनमोहन सिंह पूरा किया। इस चुनाव में 71 करोड़ 69 लाख लोग मतदाता थे जिनमें 58% लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

Winning Party Performance for 2009 Loksabha Election

#	Party	Contestants	Won	Second	Third	Votes	Votes%
1	Indian National Congress	440	206	144	44	11,91,11,019	28.6%
2	Bharatiya Janta Party	433	116	111	120	7,84,35,381	18.8%
3	Samajwadi Party	193	23	16	29	1,42,84,638	3.4%
4	Bahujan Samaj Party	500	21	52	113	2,57,28,920	6.2%
5	Janata Dal (United)	55	20	3	3	63,31,201	1.5%
6	All India Trinamool Congress	35	19	8	1	1,33,56,510	3.2%
7	Dravida Munetra Kazhagam	22	18	4	0	76,25,397	1.8%
8	Communist Party of India (MARXIST)	82	16	36	8	2,22,19,111	5.3%

#	Party	Contestants	Won	Second	Third	Votes	Votes%
9	Biju Janata Dal	18	14	4	0	66,12,552	1.6%
10	Shiv Sena	47	11	7	4	64,54,950	1.5%
11	Independent	3831	9	10	51	2,16,47,686	5.2%
12	Nationalist Congress Party	68	9	17	4	85,21,502	2%
13	All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam	23	9	14	0	69,53,591	1.7%
14	Telugu Desam	31	6	20	5	1,04,81,659	2.5%
15	Rashtriya Lok Dal	9	5	1	1	18,21,054	0.4%
16	Communist Party of India	56	4	11	7	59,51,888	1.4%
17	Rashtriya Janata Dal	44	4	20	7	52,80,084	1.3%
18	Shiromani Akali Dal	10	4	6	0	40,04,789	1%
19	Janata Dal (Secular)	33	3	1	18	34,34,082	0.8%
20	Jammu & Kashmir National Conference	3	3	0	0	4,98,374	0.1%
21	Telangana Rashtra Samithi	9	2	6	0	25,82,326	0.6%
22	Jharkhand Mukti Morcha	42	2	4	2	16,65,173	0.4%
23	Revolutionary Socialist Party	17	2	2	0	15,73,650	0.4%
24	All India Forward Bloc	22	2	1	0	13,45,803	0.3%
25	Muslim League Kerala State Committee	17	2	0	0	8,77,494	0.2%
26	Assam United Democratic Front	25	1	2	6	21,84,553	0.5%
27	Asom Gana Parisad	6	1	4	1	17,73,103	0.4%
28	Marumalarchi Dravida Munnetra Kazhagam	4	1	3	0	11,12,908	0.3%
29	Jharkhand Vikas Morcha (Prajatantrik)	16	1	0	6	9,63,274	0.2%
30	Nagaland Peoples Front	1	1	0	0	8,32,224	0.2%
31	Haryana Janhit Congress (BL)	10	1	0	1	8,16,395	0.2%
32	Viduthalai Chiruthaigal Katchi	3	1	1	0	7,35,847	0.2%
33	Bodaland Peoples Front	2	1	0	0	6,56,430	0.2%
34	Swabhimani Paksha	1	1	0	0	4,81,025	0.1%
35	Kerala Congress(M)	1	1	0	0	4,04,962	0.1%
36	All India Majlis-E-Ittehadul Muslimoon	1	1	0	0	3,08,061	0.1%
37	Bahujan Vikas Aaghadi	1	1	0	0	2,23,234	0.1%
38	Sikkim Democratic Front	1	1	0	0	1,59,351	0%

देश की सियासत में 1989 के बाद आये बदलाव

1989 से 2009 तक बनी अल्पमत सरकारें

देश के खजाने पर पड़ा तीन मध्यावधि चुनावों का बोझ

VP Singh/ChandraShekhar/ PV Narsingh Rao/ H D Devgauda/Indra Kumar Gujral/Atal Bihari Vajpayee/Manmohan Singh अल्पमत सरकार के प्रधानमंत्री रहे।

1989 के बाद देश की सियासत धर्म और जाति में फंस गयी। वी० पी० सिंह सरकार में पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए लागू किये गए मण्डल कमीशन से अगड़ों और पिछड़ों में संघर्ष छिड़ा, आंदोलन हुए और हिंसक घटनाएं भी घटी। भाजपा ने मण्डल का जवाब देने के लिए अयोध्या को लेकर धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति शुरू की। लाल कृष्णा आडवाणी ने सोमनाथ से लेकर अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली। इस दौरान धर्म और जाति के बीच ही सियासत सिमट गयी जिसका खामियाजा देश की जनता ने उठाया। 3 मध्यावधि(1991, 1996, 1998)चुनाव हुए। राजनितिक अस्थिरता के कारण 1989 से लेकर 2009 तक हुए 7 लोकसभा चुनाव 1989, 1991, 1996, 1998, 1999, 2004, 2009 में किसी दल को बहुमत नहीं मिला। 7 प्रधानमंत्री वी0 पी0 सिंह, चंद्रशेखर, पी° वी° नरसिम्हा राव, एच° डी° देवगौड़ा, इंद्रा कुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह अल्पमत सरकार के प्रधानमंत्री बने। 1984 के तीन दशक बाद 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा ने पूर्ण बहुमत की साकार बनाई।

1- आन्ध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश दक्षिण का प्रमुख राज्य है। आंध्र प्रदेश को देश का नेतृत्व करने का गौरव प्राप्त है। 1991 में काँग्रेस के पी° वी° नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने। आजादी के बाद प्रथम उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन आंध्र प्रदेश से ही थे। आंध्र प्रदेश में 42 लोकसभा एवं 294 विधानसभा की सीटें थी। विभाजन के बाद 25 लोकसभा एवं 176 विधानसभा सीटें बची हैं। 17 लोकसभा सीटें नवगठित तेलंगाना राज्य में शामिल हैं। राज्यसभा की 18 सीटें थी, जिनमें 11 आंध्र प्रदेश और 7 सीटें तेलंगाना को मिली। विधान परिषद की 98 सीटें थी, विभाजन के बाद 58 सीटें बची है। 40 सीटें तेलंगाना में शामिल की गई है। लोकसभा चुनाव परिणाम अन्य राज्यों की अपेक्षा अलग रहते हैं। 1952 से लेकर 1980 तक आंध्र प्रदेश में काँग्रेस का दबदबा रहा है लेकिन 29 मार्च 1982 फिल्म अभिनेता एन० टी० रामाराव ने क्षेत्रीय दल तेलगु देशम पार्टी का गठन किया। इसके बाद सीधा चुनाव काँग्रेस और टीडीपी के बीच होने लगे। 1984 में इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद सहानुभूति लहर में जब देश भर में काँग्रेस को 415 सीटें मिली थी। कई राज्यों में गैर काँग्रेसी दलों का खाता तक नहीं खुला था। इस चुनाव में आंध्र प्रदेश में काँग्रेस को मात्र 6 सीटें मिली। टीडीपी को 30 सीटें तथा अन्य को 5 सीटें मिली। भाजपा को देश में मात्र 2 सीटें मिली जिसमें 1 सीट आंध्र प्रदेश की थी। 1989 में जब वी० पी० सिंह के नेतृत्व में गैर कॉग्रेसी दल मिलकर चुनाव लड़ें तब काँग्रेस को 39, टीडीपी को 2 और 1 सीट अन्य को मिली। इसी तरह 1991 से लेकर 2009 तक काँग्रेस और टीडीपी के बीच चुनाव होता रहा। 2004 और 2009 में केन्द्र में काँग्रेस सरकार बनाने में आंध्र प्रदेश की अहम भूमिका थी। 2004 में 29 सीटें और 2009 में 33 सीटें मिली थी। 2001 में चन्द्रशेखर राव की नवगठित टीआरएस पार्टी को 2004 में 5 सीटें मिली और 2009 में 2 सीटें मिली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहनरेड्डी के दुर्घटना में निधन के बाद काँग्रेस से अलग होकर उनके बेटे जगन रेड्डी ने वाईआरएससीपी पार्टी बनाया। जिससे सियासत में तीन क्षेत्रीय दल टीडीपी, टीआरएस, वाईआरएससीपी अहम हो गए। के० चन्द्रशेखर राव जो तेलंगाना से आते हैं उन्होने जगन रेड्डी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुये तेलंगाना राज्य को हवा दी। इसका प्रभाव भी दिखाई दिया। 2014 लोकसभा चुनाव में टीआरएस के चन्द्रशेखर राव को 11 सीटें ,टीडीपी को 16, वाईआरएससीपी को 9 सीटें अन्य को 1 तथा काँग्रेस को 2 सीटें और भाजपा को 3 सीटें मिली। टीआरएस को 11 सीटें मिलने के बाद जनभावना को देखते हुये 2 जून 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना राज्य का गठन किया। इसके बाद 2019 लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा के चुनाव हुये, जिसमें जगन रेड्डी को अप्रत्याशित 151 सीटें मिली और लोकसभा में 25 में से 22 सीटें जीती। काँग्रेस, बीजेपी एवं टीआरएस का खाता नहीं खुला। टीडीपी के नेता चन्द्रबाबू नाडु को मुख्यमंत्री की कुर्सी गवानी पड़ी और लोकसभा की 3 सीटों तक सिमट कर रह गए। आंध्र प्रदेश में 50% पिछड़ी, 16.41% अनुसूचित जाति, 13.48% अनुसूचित जनजाति, 11.78% सामान्य, 7.33% मुस्लिम व 1% अन्य जातियाँ शामिल है। रेड्डी, कापूस, कम्मा, बालिजस, कोया आदि प्रभावशाली जातियाँ है जिनका सियासत में दबदबा है।

लोकसभा चुनाव 2019/2014/2009 का तुलनात्मक विश्लेषण

2019			2014			2009		
Name of Party	**Vote Shares%**	**Seats Won**	**Name of Party**	**Vote Shares%**	**Seats Won**	**Name of Party**	**Vote Shares%**	**Seats Won**
YRS CP	49.88	22	**YRS CP**	28.90	8	**TDP**	24.93	6
TDP	40.18	3	**TDP**	29.10	15	**INC**	38.95	33
JSP	5.87	0	**BJP**	8.52	-	**TRS**	6.14	2
Nota	1.50	0	**INC**	11.5	2	**AIMIM**	1.93	1
INC	1.30	0	**BSP**	0.83	-	**BJP**	3.8	0
BJP	0.97	0	**CPI**	0.39	-	**Others**	24.25	0
BSP	0.26	0	**CPM**	0.33	-	-	-	-
SP	0.021	0	**Other**	-	-	-	-	-
Other	0.019	0	-	-	-	-	-	-

1952 से 2019 तक चुनाव परिणाम एक नजर में

Year	INC	TDP	BJP	CPI	CPM	TRS	YSRCP	Oth
2019	-	3	-	-	-	-	22	0
2014	2	16	3	-	-	11	9	1
2009	33	6	-	-	-	2	-	1
2004	29	5	-	1	1	5	-	1
1999	5	29	7	-	-	-	-	1
1998	22	12	4	2	-	-	-	2
1996	22	16	-	2	1	-	-	1
1991	25	13	1	1	1	-	-	1
1989	39	2	-	-	-	-	-	1
1984	6	30	1	-	-	-	-	5
1980	41	-	-	-	-	-	-	1
1977	41	-	-	-	-	-	-	1
1971	28	-	-	1	1	-	-	11
1967	35	-	-	-	-	-	-	6
1962	34	-	-	7	-	-	-	2
1957	37	-	-	2	-	-	-	4
1952	14	-	-	-	-	-	-	11

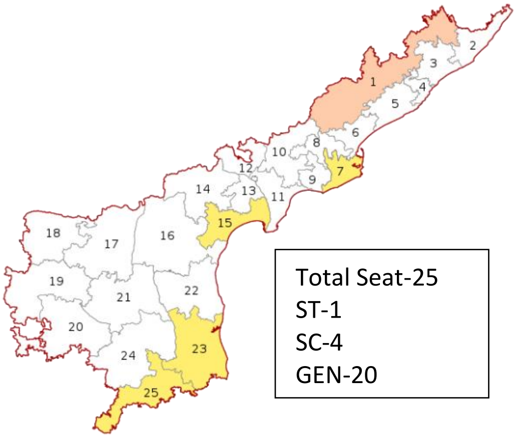

Total Seat-25
ST-1
SC-4
GEN-20

1-Araku 2-Srikakulam 3-Vizianagaram 4-Visakhapatnam 5-Anakapalli 6-Kakinada 7-Amalapuram 8-Rajahmundry 9-Narasapuram 10-Eluru 11-Machilipatnam 12-Vijayawada 13-Guntur 14-Narasaraopet 15-Bapatla 16-Ongole 17-Nandyal 18-Kurnool 19-Anantapur 20-Hindupur 21-Kadapa 22-Nellore 23-Tirupati 24-Rajampet 25-Chittoor

पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव-

पामुलापति वेंकट नरसिंह राव (जन्म- 28 जून 1921, मृत्यु- 23 दिसम्बर 2004) भारत के 10 वें प्रधानमंत्री के रूप में जाने जाते हैं। 'लाइसेंस राज' की समाप्ति और भारतीय अर्थनीति में खुलेपन उनके प्रधानमंत्रित्व काल में ही आरम्भ हुआ। ये आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। उनका जन्म 28 जून 1921 को आंध्रप्रदेश के करीम नगर जिले के वांगरा ग्राम में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया, नागपुर और मुंबई विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की। ये विधि संकाय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की उपाधियां प्राप्त की।

नरसिंह राव ने आजादी आंदोलन में भी भाग लिया था। 1962 से 1971 तक वे आंध्रप्रदेश मंत्रिमंडल में भी रहे। 1971 में राव प्रदेश की राजनीति में कद्दावर नेता बन गए। वे 1971 से 1973 तक आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। इंदिरा गांधी के

प्रति वफादारी के चलते इन्हें काफी राजनीतिक लाभ प्राप्त हुआ और इनका राजनीतिक कद भी बढ़ा। उन्होंने गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय भी संभाला।

21 मई 1991 को राजीव गांधी की हत्या हो गई थी। ऐसे में सहानुभूति की लहर के कारण कांग्रेस को निश्चय ही लाभ प्राप्त हुआ। कांग्रेस ने 232 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। नरसिम्हा राव को कांग्रेस संसदीय दल का नेता बनाया गया। सरकार अल्पमत में थी, लेकिन कांग्रेस ने बहुमत साबित करने के लायक़ सांसद जुटा लिए और कांग्रेस ने पाँच वर्ष का अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण किया। पीवी नरसिंह राव ने देश की कमान काफी मुश्किल समय में संभाली थी। उस समय भारत का विदेशी मुद्रा भंडार चिंताजनक स्तर तक कम हो गया था और देश का सोना तक गिरवी रखना पड़ा था। उन्होंने रिजर्व बैंक के अनुभवी गवर्नर डॉ. मनमोहन सिंह को वित्तमंत्री बनाकर देश को आर्थिक भंवर से बाहर निकाला।

आंध्र प्रदेश लोकसभा चुनाव परिणाम 2019

प्रथम और दूसरे स्थान पर रहे राजनीतिक दल

2019 लोकसभा चुनाव में सीधी लड़ाई YRSCP और TDP में रही। YRSCP 22 सीट जीती और 3 पर दूसरे नंबर रही। जबकि TDP 3 सीटों पर जीती और 22 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही।

ANDHRA PRADESH 2019

Sn	State/PC	Winner Name	Party	Vote	Runner Party	Party	Vote	LMargin	LV%
1	Araku(ST)	Goddeti Madhavi	YSRCP	5,62,190	Kishore Chandra Deo	TDP	3,38,101	2,24,089	20.9
2	Srikakulam [GEN]	Ram Mohan Naidu Kinjarapu	TDP	5,34,544	Duvvada Srinivas	YSRCP	5,27,891	6,653	0.6
3	Vizianagaram [GEN]	Bellani Chandrasekhar	YSRCP	5,78,418	Pusapati Ashok Gajapathi Raju	TDP	5,30,382	48,036	3.9
4	Visakhapatnam [GEN]	MVV Satyanarayana	YSRCP	4,36,906	Bharat Muthukumilli	TDP	4,32,492	4,414	0.4
5	Anakapalli [GEN]	Beesetti Venkata Satyavathi	YSRCP	5,86,226	Aadari Anand	TDP	4,97,034	89,192	7.2
6	Kakinada [GEN]	Vanga Geetha	YSRCP	5,37,630	Chalamalasetti Sunil	TDP	5,11,892	25,738	2.1
7	Amalapuram [SC]	Chinta Anuradha	YSRCP	4,85,313	Ganti Harish	TDP	4,45,347	39,966	3.2
8	Rajahmundry [GEN]	Margani Bharat	YSRCP	5,82,024	Maganti Rupa	TDP	4,60,390	1,21,634	9.7
9	Narasapuram [GEN]	Kanumuru Raghu Rama Krishna Raju	YSRCP	4,47,594	Vetukuri Venkata Siva Rama Raju	TDP	4,15,685	31,909	2.8
10	Eluru [GEN]	Kotagiri Sridhar	YSRCP	6,76,809	Maganti Venkateswara Rao	TDP	5,10,884	1,65,925	12.5
11	Machilipatnam [GEN]	Balashowry Vallabhaneni	YSRCP	5,71,436	Konakalla Narayana Rao	TDP	5,11,295	60,141	4.8
12	Vijayawada [GEN]	Kesineni Srinivas	TDP	5,75,498	Prasad V. Potluri	YSRCP	5,66,772	8,726	0.7
13	Guntur [GEN]	Galla Jayadev	TDP	5,87,918	Modugula Venugopala Reddy	YSRCP	5,83,713	4,205	0.3
14	Narasaraopet [GEN]	Lavu Shri Krishna Devarayalu	YSRCP	7,45,089	Rayapati Sambasiva Rao	TDP	5,91,111	1,53,978	10.7
15	Bapatla [SC]	Nandigam Suresh	YSRCP	5,98,257	Malyadri Sriram	TDP	5,82,192	16,065	1.3
16	Ongole [GEN]	Magunta Sreenivasulu Reddy	YSRCP	7,39,202	Sidda Raghava Rao	TDP	5,24,351	2,14,851	16.0
17	Nandyal [GEN]	Pocha Brahmananda Reddy	YSRCP	7,20,888	Mandra Sivananda Reddy	TDP	4,70,769	2,50,119	19.3
18	Kurnool [GEN]	Ayushman Doctor Sanjeev Kumar	YSRCP	6,02,554	Kotla Jayasurya Prakasha Reddy	TDP	4,53,665	1,48,889	12.6
19	Anantapur [GEN]	Tallari Rangaiah	YSRCP	6,95,208	JC Pavan Reddy	TDP	5,53,780	1,41,428	10.5
20	Hindupur [GEN]	Kuruva Gorantla Madhav	YSRCP	7,06,602	Kristappa Nimmala	TDP	5,65,854	1,40,748	10.5
21	Kadapa [GEN]	Y. S. Avinash Reddy	YSRCP	7,83,799	Adi Narayana Reddy	TDP	4,02,823	3,80,976	31.0
22	Nellore [GEN]	Adala Prabhakara Reddy	YSRCP	6,83,830	Beeda Masthan Rao	TDP	5,35,259	1,48,571	11.5
23	Tirupati [SC]	Balli Durga Prasad Rao	YSRCP	7,22,877	Panabaka Lakshmi	TDP	4,94,501	2,28,376	17.4
24	Rajampet [GEN]	P. V. Midhun Reddy	YSRCP	7,02,211	D K Satyaprabha	TDP	4,33,927	2,68,284	21.9
25	Chittoor [SC]	N. Reddeppa	YSRCP	6,86,792	Naramalli Sivaprasad	TDP	5,49,521	1,37,271	10.4

ANDHRA PRADESH/TELANGANA 2014

SN	STATE/PC	WINNER NAME	PARTY	MARGIN	Vote %
1	Adilabad [ST]	Godam Nagesh	TRS	171290	16.65
2	Amalapuram [SC]	Dr Pandula Ravindra Babu	TDP	120576	10.82
3	Anakapalli [GEN]	Muttamsetti Srinivasa Rao	TDP	47932	4.21
4	Anantapur [GEN]	J.C. Divakar Reddi	TDP	61991	5.15
5	Aruku [ST]	Kothapalli Geetha	YRSCP	91398	10.23
6	Bapatla [ST]	Malyadri Sriram	TDP	32754	2.78
7	Bhongir [GEN]	Dr. Boora Narsaiah Goud	TRS	30544	2.54
8	Chelvella [GEN]	Konda Vishweshwar Reddy	TRS	73023	5.59
9	Chittoor [SC]	Naramalli Sivaprasad	TDP	44138	3.70
10	Eluru [GEN]	Maganti Venkateswara Rao	TDP	101926	8.54
11	Guntur [GEN]	Jayadev Galla	TDP	69111	5.59
12	Hindupur [GEN]	Kristappa Nimmala	TDP	97325	8.33
13	Hyderabad [GEN]	Asaduddin Owaisi	AIMIM	202454	20.95
14	Kadapa [GEN]	Y.S. Avinash Reddy	YRSCP	190323	15.93
15	Kakinada [GEN]	Thota Narasimham	TDP	3431	0.31
16	Karimnagar [GEN]	Vinod Kumar Boinapally	TRS	204652	18.28
17	Khammam [GEN]	Ponguleti Srinivasa Reddy	YRSCP	12204	1.04
18	Kurnool [GEN]	Butta Renuka	YRSCP	44131	4.18
19	Machilipatnam [GEN]	Konakalla Narayana Rao	TDP	81057	7.15
20	Mahabubabad [ST]	Prof. Azmeera Seetaram Naik	TRS	34992	3.13
21	Mahbubnagar [GEN]	Ap Jithender Reddy	TRS	2590	0.26
22	Malkajgiri [GEN]	Ch.Malla Reddy	TDP	28166	1.75
23	Medak [GEN]	Kalvakuntla Chandrasekhar Rao	TRS	397029	33.64
24	Nagarkurnool [SC]	Yellaiah Nandi	INC	16676	1.52
25	Nalgonda [GEN]	Gutha Sukhender Reddy	INC	193156	16.37
26	Nandyal [GEN]	S.P.Y Reddy	YRSCP	105766	8.83
27	Narasaraopet [GEN]	Sambasiva Rao Rayapati	TDP	35280	2.76
28	Narsapuram [GEN]	Gokaraju Ganga Raju	BJP	85351	7.90
29	Nellore [GEN]	Mekapati Rajamohan Reddy	YRSCP	13478	1.14
30	Nizamabad [GEN]	Kalvakuntla Kavitha	TRS	167184	16.28
31	Ongole [GEN]	Y.V.Subba Reddy	YRSCP	15559	1.29
32	Peddapalle [SC]	Balka Suman	TRS	291158	28.63
33	Rajahmundry [GEN]	Murali Mohan Maganti	TDP	167434	14.60
34	Rajampet [GEN]	P.V.Midhun Reddy	YRSCP	174762	15.18
35	Secundrabad [GEN]	Bandaru Dattatreya	BJP	254735	25.55
36	Srikakulam [GEN]	Rammohan Naidu Kinjarapu	TDP	127692	12.21
37	Tirupati [SC]	Varaprasad Rao Velagapalli	YRSCP	37425	3.11
38	Vijayawada [GEN]	Kesineni Srinivas	TDP	74714	6.28
39	Visakhapatnam [GEN]	Kambhampati Hari Babu	BJP	90488	7.83
40	Vizianagaram [GEN]	Ashok Gajapathi Raju Pusapati	TDP	106911	9.60
41	Warangal [SC]	Kadiyam Srihari	TRS	392574	33.83
42	Zahirabad [GEN]	B.B. Patil	TRS	144631	13.35

PART II
UTTAR PRADESH 1952-2019

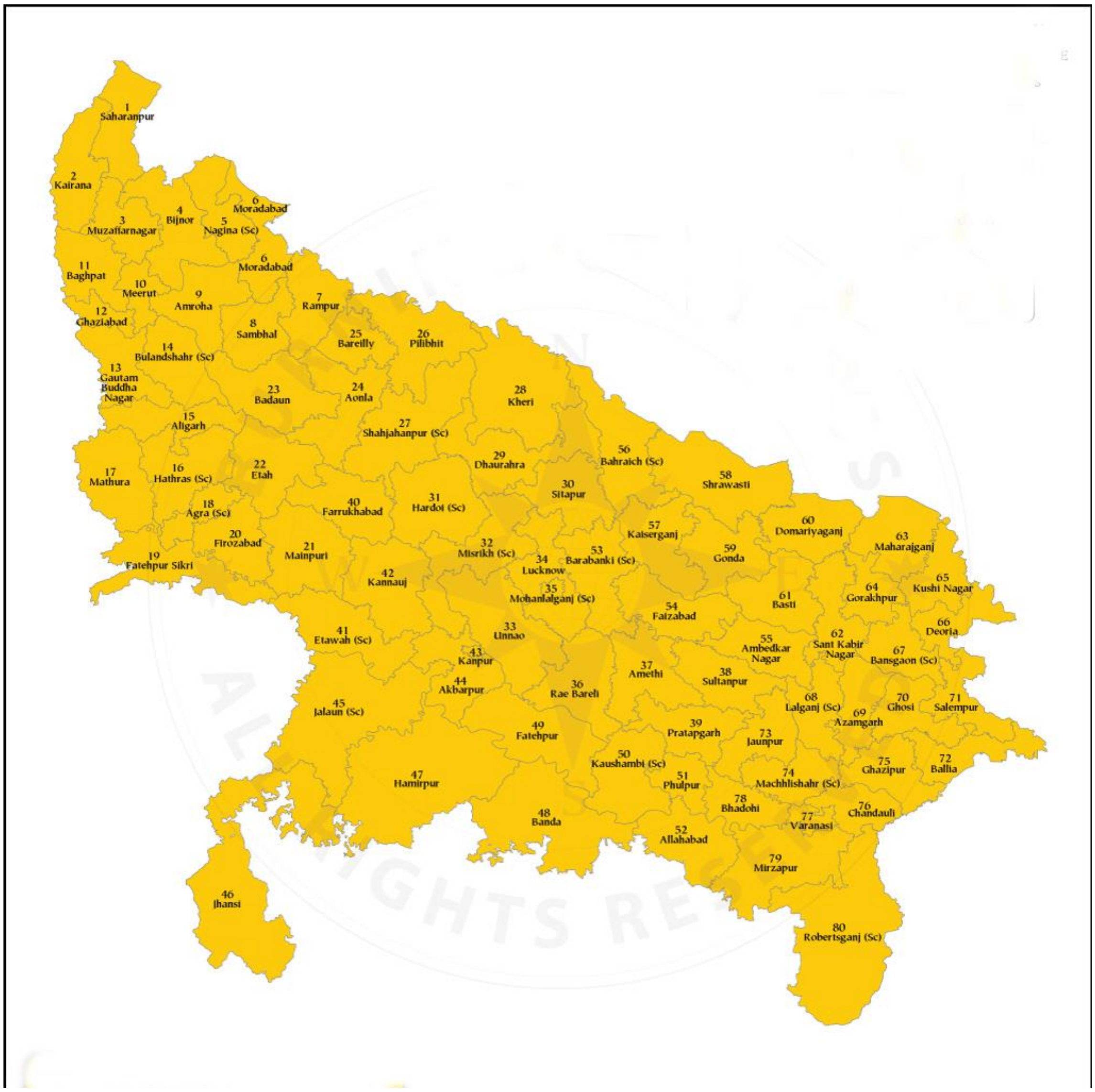

1.Saharanpur 2.Kairana 3.Muzaffarnagar 4.Bijnor 5.Nagina[SC] 6.Moradabad 7.Rampur 8.Sambhal 9.Amroha 10.Meerut 11.Baghpat 12.Ghaziabad 13.Gautam Buddh Nagar14.Bulandshahr [SC] 15.Aligarh 16.Hathras[SC] 17.Mathura 18.Agra[SC] 19.Fatehpur Sikri 20.Firozabad 21.Mainpuri 22.Etah 23.Badaun 24.Aonla 25.Bareilly 26.Pilibhit 27.Shahjahanpur[SC] 28.Kheri 29.Dhaurahra 30.Sitapur 31.Hardoi[SC] 32.Misrikh[SC] 33.Unnao 34.Mohanlalganj [SC]35.Lucknow36.RaeBareli 37.Amethi 38.Sultanpur 39.Pratapgarh 40.Farrukhabad 41.Etawah[SC] 42.Kannauj 43.Kanpur Urban 44.Akbarpur 45.Jalaun [SC] 46.Jhansi 47.Hamirpur 48.Banda 49.Fatehpur 50.Kaushambi [SC] 51.Phulpur 52.Allahabad 53.Barabanki [SC] 54.Faizabad 55.Ambedkar Nagar 56.Bahraich [SC] 57.Kaiserganj 58.Shrawasti 59.Gonda 60.Domariyaganj 61.Basti 62.Sant Kabir Nagar 63.Maharajganj 64.Gorakhpur 65.Kushi Nagar 66.Deoria 67.Bansgaon [SC] 68.Lalganj [SC] 69.Azamgarh 70.Ghosi 71.Salempur 72.Ballia 73.Jaunpur 74.Machhlishahr [SC] 75.Ghazipur 76.Chandauli 77.Varanasi 78.Bhadohi 79.Mirzapur 80.Robertsganj [SC]

उत्तर प्रदेश- 9 प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। जहाँ 80 लोकसभा, 403 विधानसभा, 31 राज्य सभा और 100 विधान परिषद सीटें है। यह कहा जाता है कि केंद्र की बहुमत की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से गुजरता है। उत्तर प्रदेश को जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इन्दिरा गांधी, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी, वी0 पी0 सिंह, चन्द्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेयी और प्रदेश के वाराणसी संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेन्द्र मोदी 9 प्रधानमंत्री दिये है। आजादी के 75 वर्ष में 57 वर्षों से अधिक देश का प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश ने किया है और अभी भी नेतृत्व जारी है।

<table>
<tr><th colspan="2">प्रधानमंत्री</th><th colspan="2">प्रधानमंत्री</th></tr>
<tr><td rowspan="2"> </td><td rowspan="2">जवाहर लाल नेहरु
कार्यकाल-15 अगस्त 1947 - 27 मई 1964
16 साल, 286 दिन</td><td> </td><td>राजीव गाँधी
कार्यकाल-31 अक्टूबर 1984 - 2 दिसंबर 1989
5 साल, 32 दिन</td></tr>
<tr><td> </td><td>वीपी सिंह
कार्यकाल-2 दिसंबर 1989 - 10 नवंबर 1990
343 दिन</td></tr>
<tr><td>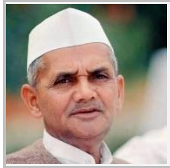</td><td>लाल बहादुर शास्त्री
कार्यकाल- 9 जून 1964-11 जनवरी 1966
1 साल, 216 दिन</td><td> </td><td>चंद्र शेखर
कार्यकाल-10 नवंबर 1990 - 21 जून 1991
223 दिन</td></tr>
<tr><td> </td><td>इंदिरा गाँधी
कार्यकाल-24 जनवरी 1966 - 24 मार्च 1977
11 साल, 59 दिन
कार्यकाल-14 जनवरी 1980-31अक्टूबर 1984
4 साल, 291 दिन</td><td> </td><td>अटल बिहारी वाजपेयी
कार्यकाल-16 मई 1996 – 1 जून 1996 16 दिन
19 मार्च 1998 - 22 मई 2004
6 साल, 64 दिन</td></tr>
<tr><td> </td><td>चौधरी चरण सिंह
कार्यकाल-28 जुलाई 1979-14 जनवरी 1980
170 दिन</td><td> </td><td>नरेन्द्र मोदी
कार्यकाल-26 मई 2014 - 23 मई 2019
30 मई 2019 -</td></tr>
</table>

Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2019

Alliance	Name of Party	Vote Share %	Alliance vote share%	Change	Seats won	Changes
National Democratic Alliance	Bharatiya Janata Party	49.98%	51.19%	+7.35%	62	▼9
	Apna Dal (Sonelal)	1.21%		+0.2	2	—
Mahagathbandhan	Bahujan Samaj Party	19.43%	39.23%	-0.34	10	▲10
	Samajwadi Party	18.11%		-4.24	5	—
	Rashtriya Lok Dal	1.69%		-0.83	0	—
United Progressive Alliance	Indian National Congress	6.36%	6.41%	-1.17	1	▼1

Party	BJP	BSP	SP	AD(S)	INC
Leader	Narendra Modi	Mayawati	Akhilesh Yadav	Anupriya Singh Patel	Rahul Gandhi
Votes	49.98%, 42,858,171	19.43%, 16,659,754	18.11%, 15,533,620	1.21%, 1,039,478	6.36%, 5,457,352
Seats	62 (77.5%)	10 (12.5%)	5 (6.25%)	2 (2.5%)	1 (1.25%)
	62 / 80	10 / 80	5 / 80	2 / 80	1 / 80

Party Wise Performance Winner & Runner up

Party Name	Candidates Contested	Seats Won	Runner Up	Percent of Polled
BJP	78	62	16	49.98 %
AD	2	02	-	1.21%
SP	37	05	31	18.11%
BSP	38	10	27	19.43%
INC	67	01	03	6.36%
RLD	3	00	03	1.69%
SBSP	19	00	00	0.3%

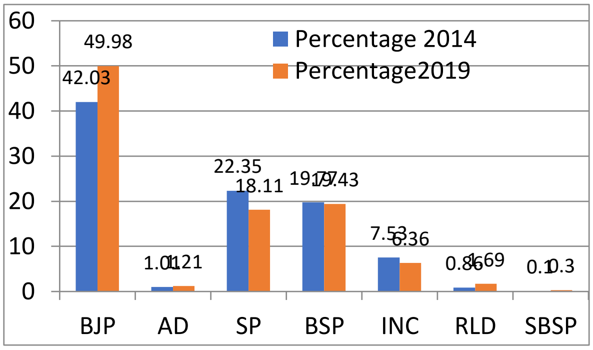

Comparative Result- 2014 & 2019

Party Name	Vote Share %	Change	Seats Won	Changes
BJP	49.98 %	+7.35	62	-9
SP	18.11%	-4.24	5	0
BSP	19.43%	-0.34	10	+10
INC	6.36%	-1.17	1	-1
AD	1.21%	+ 0.20	2	0

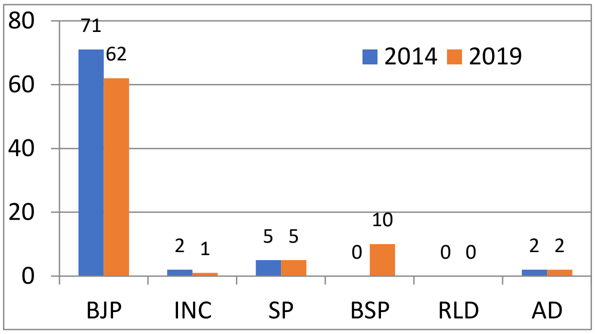

Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2014

Alliance	Name of Party	Vote Share %	Alliance vote share%	Change	Seats won	Changes
National Democratic Alliance	Bharatiya Janata Party	42.63%	43.64%	+24.80%	71	▲61
	Apna Dal (Sonelal)	1.01%		+	2	▲12
	Bahujan Samaj Party	19.77%		-7.82	0	▼20
	Samajwadi Party	22.35%		-1.06	5	▼18
United Progressive Alliance	Rashtriya Lok Dal	0.8%	6.41%	-0.0	0	▼05
	Indian National Congress	6.53%		-10.75	2	▼19

Party	**BJP**	**BSP**	**SP**	**AD(S)**	**INC**
Leader	Narendra Modi	Mayawati	Akhilesh Yadav	Anupriya Singh Patel	Rahul Gandhi
Votes	42.62%, 34,318,854	19.77%, 15,914,194	22.35%, 17,988,967	1.01%, 812,325	7.53%, 6,061,267
Seats	71 (88.75%)	0 (0.0%)	5 (6.25%)	2 (2.5%)	2 (2.5%)
	71 / 80	0 / 80	5 / 80	2 / 80	1 / 80

Party Wise Performance Winning & Runner Up 2014

Party Name	Candidates Contested	Seats Won	Runner Up	Percent of Polled
BJP	78	71	7	42.63 %
AD	2	02	-	1.01%
SP	78	05	31	22.30%
BSP	80	00	34	19.77%
INC	74	02	06	7.53%
RLD	30	00	01	0.86%

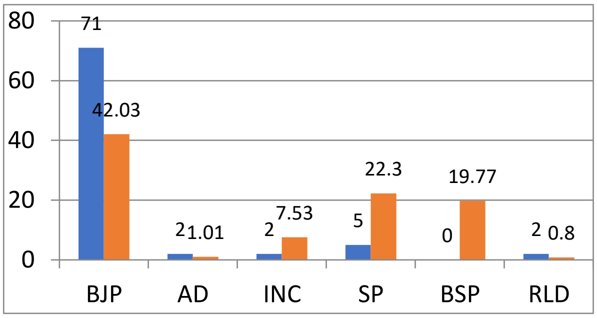

Comparative Result- 2009 & 2014

Party Name	Vote Share %	Change	Seats Won	Changes
BJP	42.63 %	+25.13	71	+61
SP	22.30%	-0.91	5	-18
BSP	19.77%	-0.65	0	-20
INC	7.53%	-10.72	2	-19
AD	1.01%	+0.21	2	+2

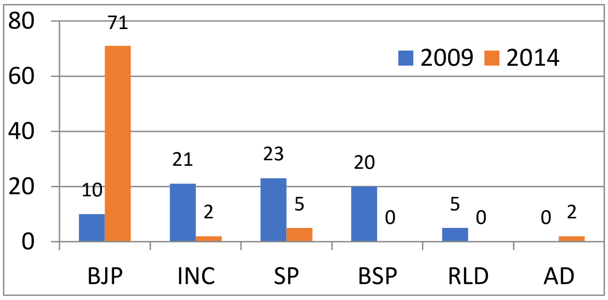

Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2009

Sr.	Name of Party	Vote Share %	Change	Seats won	Changes
1	Bharatiya Janata Party	17.50%	-4.67	10	▲00
2	Bahujan Samaj Party	27.42%	+2.75	20	▲01
3	Samajwadi Party	23.26%	-3.48	23	▼12
4	Rashtriya Lok Dal	03.27%	-1.22	05	▲02
5	Indian National Congress	18.25%	+6.21	21	▲12
6	IND			1	0

Party	**BJP**	**BSP**	**SP**	**RLD**	**INC**
Leader	Lal Krishna Advani	Mayawati	Akhilesh Yadav	Chaudhree Ajit Singh	Rahul Gandhi
	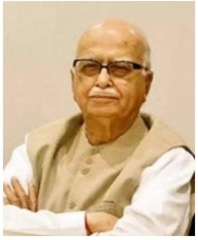				
Votes	17.50%, 96,95,904	27.42%, 1,51,91,044	23.26%, 1,28,84,968	3.27%, 18,11,986	18.25%, 1,01,13,521
Seats					
	10 / 80	20/ 80	23 / 80	5 / 80	21 / 80

Party Wise Performance Winning & Runner Up 2009

Party Name	Candidates Contested	Seats Won	Runner Up	Percent of Polled
BSP	80	20	47	27.42%
SP	75	23	15	23.26%
INC	69	21	7	18.25%
BJP	71	10	10	17.50%
KALYAN		1	0	4.52%
RLD	7	5	1	3.27%

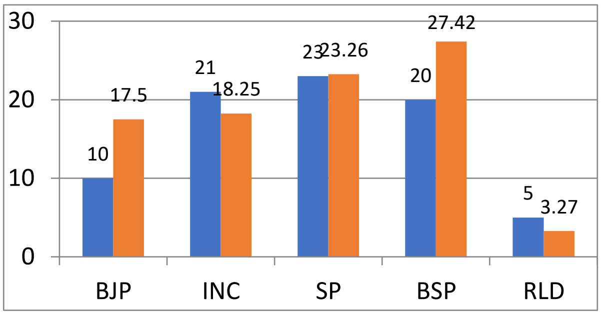

Parliament Election Results- Uttar Pradesh 2004

Sr No	Name of Party	Vote Share %	Seats won
1	Bharatiya Janata Party	22.17%	10
2	Bahujan Samaj Party	24.67%	19
3	Samajwadi Party	26.74%	35
4	Rashtriya Lok Dal	4.49%	3
5	Indian National Congress	12.04%	9
6	IND	3.81%	1
7	JD(U)	0.80%	1
8	NLP	0.60%	1
9	SJP(R)	0.51%	1

Party	BJP	BSP	SP	RLD	INC
Leader	Atal Bihari Vajpayi	Mayawati	Mulayam Singh Yadav	Chaudhary Ajit Singh	Rahul Gandhi
	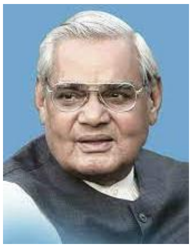				
Votes	22.17% 1,18,10,187	24.67% 1,31,39,200	26.74% 1,42,43,280	4.49% 23,91,825	12.04%, 64,12,293
Seats	10 / 80	19/ 80	35 / 80	3 / 80	9 / 80